15

भोपाल में कुतुब मीनार?

समुन्दर के किनारे बनाए गए मीनारनुमा प्रकाश स्तम्भ, वैसे तो खास ऊँचे नहीं होते लेकिन समुन्दर में मीलों दूर से दिखाई दे जाते हैं।

अब फर्ज़ कीजिए कि एक ऊँची इमारत या ऊँची कुर्सी भोपाल में रखी जानी है, लेकिन शर्त यह है कि इसे 180 कि.मी. की दूरी पर मौजूद इन्दौर शहर की जनता देख पाए। मान लीजिए दोनों शहरों के बीच ऐसा कुछ नहीं है जो देखने में बाधा डाले, तो भोपाल में कितनी ऊँची कुर्सी या इमारत बनानी होगी?

चूँकि धरती की सतह समतल सपाट नहीं है वरन् गोलाई लिए हुए है, इसलिए दूर स्थित वस्तु को देखते समय इस गोलाई को ध्यान में रखना होता है। कुछ साधारण गणनाओं का सहारा लेकर देखते हैं कि भोपाल में कितनी ऊँची कुर्सी बनानी होगी ताकि उसे इन्दौर से देखा जा सके।

ऐसा क्यों नहीं होता?

बच्चों के घर, आसपास या स्कूल में कक्षा के बाहर घटित होने वाले छोटे-छोटे क्रियाकलाप सीखने की प्रक्रिया में शामिल क्यों नहीं किए जाते जबकि बच्चे इनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। विषय विशेष की परिधि से बाहर निकल इनका इस्तेमाल सभी विषयों के साथ-साथ कलाओं में भी किया जा सकता है।

सम्भव है, ऐसे मौके देने से बच्चे अपने आसपास की चीज़ों को गौर से देखने, उनमें रुचि लेने, और उनमें इनसे जुड़े अन्य पहलुओं को जानने-समझने लगें।

रोज़मर्रा की घटनाओं को सीखने की प्रक्रिया में शामिल करने के विविध तरीके और फायदे सुझाता एक रोमांचक लेख 'ऐसा क्यों नहीं होता?' पृष्ठ 26 पर पढ़ें।

26

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-31 (मूल अंक-88), सितम्बर-अक्टूबर 2013

इस अंक में

5 | **प्रायोगिक त्रुटि ने ऑक्सीजन की खोज...**
सुशील जोशी

15 | **भोपाल में कुतुब मीनार?**
हिमांशु श्रीवास्तव और उमा सुधीर

21 | **ऊपर जाते गैस के गुब्बारों का आगे क्या...**
सवालीराम

26 | **ऐसा क्यों नहीं होता?**
फ्रांसिस कुमार

39 | **द मैजिक ऑफ यू**
ऋतु खोडा

47 | **शाला का पुस्तकालय तब से अब तक**
शोभा वाजपेयी

57 | **तलाश बिन धुएँ वाली चिमनी की**
विनोद रायना

67 | **अमरीका वाला बेटा**
आइज़ैक बैशेविस सिंगर

76 | **पत्तियों ने पहनी मोतियों की माला**
किशोर पंवार